साप्ताहिक

निष्पक्ष...निर्भीक...निरंतर...

विश्वास का तीर

सपांदक- आयुष राजपूत

RNI.NO- MPHIN/2022/83636

वर्ष-03 | अंक-44 | भोपाल, प्रति शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024 | मूल्य-10 रूपयें | पृष्ठ-08

सीएम ने कन्या-पूजन और कन्या-भोज की सनातन परंपरा का किया पालन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मोक्षदायिनी मां सिद्धिदात्री जी के चरणों में किया शत-शत प्रणाम

विश्वास का तीर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शारदीय नवरात्र की महानवमी पर मुख्यमंत्री निवास में कन्या-पूजन और कन्या-भोज की सनातन परंपरा का पालन किया। मातृ-शक्ति के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा प्रदर्शित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे और उनका विधि-विधान से पूजन किया। उन्होंने श्रद्धापूर्वक कन्याओं को चुनरी ओढ़ाई और आरती उतारी। पूजन के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्याओं से संवाद कर उन्हें दुलारा भी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या-पूजन के बाद कन्याओं को स्वयं अपने हाथों से भोजन परोसा और उनकी रूचि के अनुरूप मिष्ठान भी खिलाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या भोज के बाद सभी कन्याओं को दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मोक्षदायिनी मां सिद्धिदात्री के चरणों में शत-शत प्रणाम कर प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रि की महानवमी पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने मातारानी से सभी को संकल्प सिद्धि के असीम आशीर्वाद के साथ मंगलमय और सुखमय जीवन की प्रार्थना भी की।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राजभवन में कन्या-पूजन किया

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल महा नवरात्रि पर्व पर राजभवन के कर्मचारियों के साथ परिसर स्थित मंदिर में कन्या-पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेश और देश के विकास और निवासियों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राजभवन परिसर स्थित मंदिर में माँ दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना की। हवन एवं पूर्णाहूति कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल श्री पटेल ने कन्याओं को तिलक लगाकर अभिनंदन किया और उपहार भेंट किए। कार्यक्रम में राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे पर्व उमंग और उल्लास के प्रतीक होते हैं। इस वर्ष प्रदेश में दशहरा पर्व सरकार और समाज मिलकर धूमधाम के साथ मनाएंगे और शस्त्र-पूजन भी किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को दशहरे की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि इस वर्ष का दशहरा पर्व महिला सशक्तिकरण और सुशासन की प्रतीक लोकमाता देवी अहिल्याबाई को समर्पित रहेगा। देवी अहिल्याबाई ने देश भर में जन-कल्याण के अनेक महती कार्य संपन्न करवाए। इन कार्यों की स्मृति और देवी अहिल्याबाई के योगदान से आज की पीढ़ी को अवगत करवाने और उनके सम्मान में दशहरा पर्व पर शस्त्र-पूजन के कार्यक्रम होंगे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि इस दशहरा पर्व पर भारत की प्राचीन शस्त्र-पूजन परंपरा में सरकार के मंत्रीगण सहित सांसद, विधायक और जन-प्रतिनिधि भी अपने क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होंगे। प्रत्येक जिले में पुलिस शस्त्रागार, कोतवाली और थानों में होने वाले शस्त्र-पूजन एक विभाग तक सीमित न होकर जनता का पर्व बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे स्वयं देवी अहिल्याबाई की राजधानी रहे शहर महेश्वर और उनकी छावनी रहे इंदौर में शस्त्र-पूजन करेंगे।

लोकमाता अहिल्याबाई का व्यक्तित्व, जीवन और चरित्र हम सबके लिये आदर्श

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती वर्ष मना रहे हैं। लोकमाता देवी अहिल्याबाई का व्यक्तित्व, जीवन और चरित्र हम सबके लिये आदर्श है। वे एक तपोनिष्ठ, धर्मनिष्ठ,कर्मनिष्ठ शासक एवं प्रशासक रही है। उनसे हम सबको प्रेरणा लेना चाहिये। देवी अहिल्याबाई ने धर्म के साथ शासन व्यवस्था चलाने का बेहतर उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उनका धर्म तथा राज्य व्यवस्था में विशेष महत्व है। उनका मुख्य ध्येय था कि उनकी प्रजा कभी भी अभावग्रस्त और भूखी नहीं रहे। उनके सुशासन की यशोगाथा पूरे देश में प्रसिद्ध है। उन्होंने समाज-सेवा के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया था। अहिल्याबाई हमेशा अपनी प्रजा और गरीबों की भलाई के बारे में सोचती थी, साथ ही वे सदैव गरीबों और निर्धनों की हरसंभव सहायता के लिए तत्पर रहती थी। उन्होंने समाज में विधवा महिलाओं की स्थिति पर भी खासा काम किया और उनके लिए उस वक्त बनाए गए कानून में बदलाव भी किया था।

शस्त्र-पूजन के लिये मंत्रियों को जिले एवं स्थान आवंटित

दशहरा पर्व पर प्रदेश में होने वाले शस्त्र-पूजन कार्यक्रम के लिये राज्य मंत्रि-परिषद के सदस्यों को जिले आवंटित किये गये हैं। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा, मंत्री डॉ. कुँवर विजय शाह खण्डवा, मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय धार, मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल नरसिंहपुर, मंत्री श्री राकेश सिंह जबलपुर, मंत्री श्री करण सिंह वर्मा सीहोर, मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह गाडरवाड़ा (नरसिंहपुर), मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके मण्डला, मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट इंदौर, मंत्री श्री रामनिवास रावत विजयपुर श्योपुर, मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना मुरैना, मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया झाबुआ, मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत सागर, मंत्री श्री विश्वास सारंग भोपाल, मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा ग्वालियर, मंत्री श्री नागर सिंह चौहान सतना, मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी, मंत्री श्री राकेश शुक्ला भिण्ड, मंत्री श्री चैतन्य काश्यप रतलाम, मंत्री श्री इंदर सिंह परमार शाजापुर, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर सीहोर, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी दमोह, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल सीधी, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल राजगढ़, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन सिंह पटेल विदिशा, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पवार राजगढ़, राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल बरेली (रायसेन), राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी सतना, राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार अनूपपुर और राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह सिंगरौली में शस्त्र-पूजन कार्यक्रम में शामिल होंगी।

अवैध संबंध में हत्या; पत्नी, दोस्त हिरासत में

चार दिन पहले घर में दोनों को एक साथ देखा था, कर दी थी मारपीट

विश्वास का तीर

भोपाल में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। मामला कोलार इलाके के कजलीखेड़ा का है। मजदूर का शव झुग्गी में मिला। सिर में चोट के निशान हैं। घटनास्थल से पुलिस ने कुल्हाड़ी बरामद की है। हत्या की मुख्य संदेही मृतक की पत्नी और एक साथी मजदूर को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, हत्या की वजह अवैध संबंध हैं। मृतक की पत्नी और उसके दोस्त से पूछताछ की जा रही है। टीआई संजय सिंह सोनी ने बताया कि बाबूलाल सौर (45) मूलरूप से ओरछा का रहने वाला था। भोपाल के बंसल कैंपस में रहकर कंस्ट्रक्शन वर्क में मजदूरी करता था। गुरुवार रात 8.30 बजे सूचना मिली कि झुग्गी में खून से सनी लाश पड़ी है। स्पॉट पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया।

चार दिन पहले हुआ था विवाद

मृतक की पत्नी और उसके दोस्त में अफेयर की बात सामने आ रही है। बाबूलाल ने चार दिन पहले साथी मजदूर को अपने घर में पत्नी के साथ देख लिया था। इसके बाद उसने युवक के साथ मारपीट कर दी थी। इसी का बदला लेने की नीयत से पत्नी और युवक ने सोते समय बाबूलाल की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी।

सिगरेट छिपाने की कोशिश में चौथी मंजिल से गिरा छात्र

वार्डन के डर से होटल रूम की खिड़की क्रॉस की, डक्ट से फिसलकर मौत

विश्वास का तीर

भोपाल में ओएसिस होटल की चौथी मंजिल से गिरकर छात्र की मौत हो गई। यह होटल चेतक ब्रिज के पास है। घटना गुरुवार रात 11.15 बजे की है। होटल में छात्र के साथ उसके कॉलेज के दूसरे स्टूडेंट्स भी ठहरे हुए थे। शुक्रवार को गोविंदपुरा थाने की पुलिस ने उनसे पूछताछ की। साथी छात्रों ने बताया कि रूम में एन्जॉय करते हुए वे सिगरेट पी रहे थे। हंसी-मजाक का माहौल था। अचानक किसी ने कहा कि रूम में वार्डन आ रहे हैं। तुषार माली के हाथ में सिगरेट थी। उसे डर था कि मुंह से बदबू आने पर डांट पड़ सकती है। उसने खिड़की को पार किया, बाहर डक्ट थी, उस पर चढ़कर छिपने की कोशिश कर रहा था। पैर फिसलने से गिर गया। गोविंदपुरा थाने के टीआई अवधेश सिंह तोमर ने बताया कि तुषार माली (19) पुत्र किशन माली राजस्थान के पाली का रहने वाला था। वह गुजरात के एक लॉ कॉलेज से पढ़ाई कर रहा था और फिलहाल कॉलेज हॉस्टल में ही रहता था। कॉलेज की ओर से एक स्पोर्ट्स इवेंट में शामिल होने के लिए भोपाल आया था।

83 लोगों का ग्रुप आया था भोपाल

पुलिस के मुताबिक, तुषार के साथियों के बयानों को दर्ज कर लिया है। उन्होंने बताया कि 83 छात्र - छात्राओं का ग्रुप दो वार्डन (मेल और फीमेल) के साथ तीन दिन पहले भोपाल आया है। होटल के 29 रूम में ये सभी लोग ठहरे हैं। हर रूम में 3 लोग ठहरे हैं।

परिजन की मौजूदगी में हुआ पीएम

शुक्रवार दोपहर पुलिस एक बार फिर होटल पहुंची। वहां कर्मचारियों से छात्र के संबंध में जानकारी ली। जांच में पुलिस ने पाया कि जिस खिड़की से छात्र गिरा, वहां ग्रिल नहीं है। पाली से परिजन शुक्रवार शाम चार बजे भोपाल पहुंचे। यहां आनन-फानन में पुलिस ने शव का पीएम परिजनों की मौजूदगी में कराया। बॉडी रिश्तेदारों के हवाले कर दी गई है। अंतिम संस्कार पाली में ही किया जाएगा। परिजन बॉडी लेकर रवाना हो गए हैं।

भोपाल में ईवेंट मैनेजर ने फांसी लगाई, मौतः भाई की सगाई के एक दिन पहले की खुदकुशी

विश्वास का तीर

भोपाल के वैशाली नगर में रहने वाले इवेंट मैनेजर ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। युवक ने कोई सुसाइड नोट भी नहीं छोड़ा है। युवक ने सुसाइड बड़े भाई की सगाई से ठीक एक दिन पहले किया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शव को शुक्रवार की दोपहर पीएम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया गया है। समर प्रताप सिंह गौर (40) देवेंद्र प्रताप सिंह गौर निवासी वैशाली नगर बी.कॉम सेकेंड ईयर की पढ़ाई कर रहा था। मृतक के रिश्तेदार विवेक ठाकुर ने बताया कि समर इवेंट मैनेजमेंट का काम बीते दो सालों से कर रहा था। उसके पिता सिक्योरिटी एजेंसी का संचालन करते हैं। दादा जगदीश सिंह गौर बतौर डीएसपी रिटायर्ड हैं। गुरुवार को समर घर में था। रात के समय उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली, परिजनों ने फंदे से उतारकर उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने चेक कर उसे मृत घोषित कर दिया। एफएसएल और पुलिस की टीम ने स्पॉट का निरीक्षण किया है, जहां पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृतक के परिजनों ने भी खुदकुशी के लिए कोई ठोस कारण पुलिस को नहीं बताया है। आत्महत्या से पूर्व युवक ने किसी से भी किसी तरह की परेशानी का जिक्र नहीं किया है।

दो दिन पहले की थी शॉपिंग

समर के बड़े भाई की शुक्रवार को सगाई होना थी। इसके लिए उसने दो दिन पहले शॉप की थी। भाई की सगाई में पहनने के लिए युवक नया कुर्ता पायजामा लाया था। वह बेहद खुश भी था, अचानक उसके सुसाइड के बाद परिजनों की खुशियां गम में तबदील हो चुकी हैं।

हवन में नहीं बैठने देने पर युवती ने सुसाइड किया

विश्वास का तीर

भोपाल में युवती ने मां की साड़ी से फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। युवती हवन में बैठने की जिद कर रही थी, परिजन के इनकार करने पर उसने यह कदम उठाया। 19 साल की राधिका बुंदेला रातबढ़ की रहने वाली थी। 10th के बाद पढ़ाई छोड़ चुकी थी। ममेरे भाई रूपेंद्र परमार ने बताया कि शुक्रवार की सुबह 11 बजे घर के बाहर सजी झांकी में हवन कार्यक्रम चल रहा था। राधिका हवन में बैठने की जिद कर रही थी। परिजन ने उसे हवन में बैठने की अनुमति नहीं दी। तब उसने जिद की और कहा कि मैं हवन में नहीं बैठी, अष्टमी की पूजा नहीं होने दूंगी, इसके बाद वह अपने कमरे में चली गई। परिवार ने उसकी बात को मजाक समझा। युवती ने अपने कमरे के गेट खुले छोड़ दिए थे। उसने मां की साड़ी ली, पाइप के सहारे फंदा बनाया और इसके बाद फंदा गले में कसकर कुर्सी हटा दी। इतने में बाहर बैठी मां की नजर उस पर पड़ गई। परिजन फंदे से उतारकर उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पहले भी मजाक में बना चुकी थी फांसी का फंदा

युवती की तीन बहन और दो भाई हैं। उसके पिता खेती - किसानी करते हैं। राधिका तीसरे नंबर की थी। वह बेहद जिद्दी और मजाकिया किस्म की थी। पहले भी मजाक में खुदकुशी की धमकी दे चुकी थी। रुपेंद्र ने बताया कि इसके पहले भी राधिका फांसी का फंदा बनाकर गले में डाल चुकी थी। इस बार भी जब उसने खुदकुशी की धमकी दी, तो परिजनों ने इसे मजाक में लिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

भोपाल में कार की डिक्की में मिला डेढ़ क्विंटल पनीर

सीहोर से ला रहे थे, बस के जरिए भेजा जाना था अशोक नगर

विश्वास का तीर

भोपाल की कोहेफिजा पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक कार की डिक्की में रखा करीब डेढ़ क्विंटल पनीर जब्त किया है। आगे की जांच के लिए यह मामला खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग को हैंड ओवर कर दिया गया है। उक्त पनीर भोपाल से अशोक नगर भेजा जा रहा था। कोहेफिजा इलाके में पुलिस चेकिंग कर रही थी। तभी एक एम्बेसडर कार की डिक्की में पनीर रखा मिला। अमानक होने की शंका में पनीर जब्त करके खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग को सौंप दिया गया।

थाने पहुंचे फूड इंस्पेक्टर

वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि पनीर अमानक तो नहीं है, इसकी जांच की जा रही है। पनीर सीहोर से भोपाल के नादरा बस स्टैंड ले जाया जा रहा था। इसके बाद इसे बस के जरिए अशोक नगर भेजा जाना था। यह पनीर सीहोर से अमजद द्वारा अशोकनगर के लिए भेजा गया था। मौके पर अन्य किसी के उपस्थित नहीं होने के कारण वाहन चालक याकूब शाह से पनीर के नमूने लिए गए हैं।

त्योहारों में मावा-पनीर की बढ़ जाती है खपत

त्योहारों का सीजन शुरू हो गया है। ऐसे में भोपाल में मावा और पनीर की खपत बढ़ जाती है। इस वजह से ग्वालियर, भिंड, मुरैना समेत जिलों से मावा भोपाल आता है। कई बार अमानक मावा की खपत भी होती है। जिस वजह से खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम कार्रवाई में जुटी रहती है।

आलेख

राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कर पाएंगे प्रशांत किशोर?

पटना का ऐतिहासिक गांधी मैदान तमाम रैलियों का गवाह रहा है, लेकिन इस मैदान में आधी सदी के अंतर पर हुई दो रैलियों में कम से कम बिहार की अवाम एक समानता देख रही है। पांच जून 1974 को 72 साल के बुजुर्ग जेपी ने संपूर्ण क्रांति का नारा देकर इंदिरा की सर्वशक्तिमान सत्ता को उखाड़ने की पूर्व पीठिका रच दी थी। इस बार इंदिरा की सत्ता उखाड़ने जैसा कोई लक्ष्य तो नहीं है, लेकिन गांधी जयंती के अगले दिन तीन अक्टूबर को 47 साल के प्रशांत किशोर से बड़ी उम्मीदें लगा रखी हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के जरिए जनसुराज की बयार बिहार की धरती पर बहा पाएंगे या फिर बदलाव की राजनीति का दावा करने वाले दूसरे लोगों की तरह वे भी पारंपरिक राजनीति का ही हिस्सा बन जाएंगे? वैसे बिहार में ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्हें ठीक उसी तरह प्रशांत किशोर से उम्मीद नहीं है, जैसी नाउम्मीदी पारंपरिक दलों से है। बिहार की राजनीति के संदर्भ में प्रशांत किशोर की राजनीतिक पारी की पड़ताल करने से पहले एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या वे बिहार की राजनीति में तीसरा स्तंभ भी बन पाएंगे? बिहार में यूं तो छोटे-बड़े कई राजनीतिक दल हैं, लेकिन मोटे तौर पर राज्य की राजनीति दो खेमों में बंटी हुई है। राष्ट्रीय जनता दल की अगुआई वाले गठबंधन में तमाम तरह की वैचारिकी वाले कई दल शामिल हैं, जिनमें देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी तो है ही, वामपंथी दल भी हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी की अगुआई में नीतीश कुमार का जनता दल यू, जीतनराम मांझी की हम, उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी शामिल है। इस दो खेमे की राजनीति के बीच में यह सवाल उठना वाजिब है कि क्या प्रशांत किशोर इन दोनों गठबंधनों के बीच अपनी तीसरी राह बना पाएंगे ? बिहार की राजनीति का जब भी संदर्भ आता है, गर्व भाव से उसे याद किया जाता है। प्रथम स्वाधीनता संग्राम में बिहार के बेटे ने कुंवर सिंह ने जहां देश को नई दिशा दिखाई, स्वाधीनता संग्राम में जयप्रकाश नारायण ने भी नौजवानों को उसी अंदाज में जगा दिया था। इन्हीं जयप्रकाश को दूसरी आजादी का नायक का भी सम्मान हासिल है। बिहार की राजनीति का जब भी बखान होता है, तब इन ऐतिहासिक चरित्रों के हवाले से यह दावा जरूर किया जाता है कि बिहार की राजनीति भविष्य की राजनीति को प्रभावित करती है। इसे उलटबांसी ही कहा जा सकता है कि जिस बिहार की धरती का गौरवबोध वैशाली के गणतंत्र से भर उठता है, जिसे बुद्ध और महावीर की धरती का गौरव हासिल है, उसी बिहार की धरती आज के दौर में जातिवादी राजनीति में ही अपना आज का गौरव ढूंढने में गर्व महसूस करती है। दिलचस्प यह है कि बिहार की राजनीति को लेकर गर्वबोध से भरा रहने वाला समाज भी अपनी धरातली सोच में जातिवादी बोध को अलग नहीं कर पाता। फिर भी बिहार में एक वर्ग ऐसा भी है, जो बिहार के मौजूदा पिछड़ेपन से चिंतित रहता है। जिसे इस यह बात सालती है कि उसके राज्य के हर गांव की जवान आबादी का बड़ा हिस्सा दुनियाभर में दिहाड़ी मजदूर बनने को मजबूर है। इसी वर्ग की उम्मीद बनकर प्रशांत किशोर उभरे हैं। प्रशांत किशोर से आस लगाए वर्ग को बिहार की दरिद्रता, बिहारी लोगों का राज्य के बाहर मिलने वाला अपमान सालता है। इसलिए वे चाहते हैं कि प्रशांत किशोर उभरें और राज्य की जाति-धर्म वाली राजनीति को बदलें। बिहार की बदहाली को दूर करें। किसी भी नया काम करने वाले को समाज पहले हंसी उड़ाता है, इसके बावजूद अगर वह रूका नहीं तो उसे कुछ उपलब्धियां हासिल होने लगती हैं। इससे समाज के स्थापित प्रभु वर्ग को परेशानी होने लगती है। तो वह उन उपलब्धियों की अनदेखी करने लगता है। फिर भी व्यक्ति रूकता नहीं तो उसकी उपलब्धियों को वही समाज नोटिस लेने लगता है और आखिर में उसे सर आंखों पर बैठा लेता है। प्रशांत किशोर इस प्रक्रिया के दो चरणों को पार

कर चुके हैं। अब उनकी उपलब्धियों का बिहारी राजनीतिक दल नोटिस लेने लगे हैं। हालांकि उन्हें बार-बार पांडेय बताकर जातिवादी त्रिशूल से उन्हें बेधने की राजनीतिक कोशिश भी हो रही है। दिलचस्प यह है कि उनके ब्राह्मण होने का प्रचार बार-बार आरजेडी की तरफ से हो रहा है। जिसका पूरा राजनीतिक वजूद ही मुस्लिम और यादव समीकरण पर टिका है। प्रशांत किशोर ने दो साल तक लगातार बिहार की पदयात्रा की है। जनसुराज यात्रा के नाम से हुई इस यात्रा के जरिए उन्हें ज्यादातर उत्तरी बिहार को अपने कदमों तले नापा है। इसके जरिए उन्होंने अपना बड़ा समर्थक वर्ग तैयार किया है। जिसमें जाति और धर्म से इतर सोचने वाले युवाओं की अच्छी-खासी फौज है। तीन अक्टूबर को पटना के गांधी मैदान में इस वर्ग की उपस्थिति जहां प्रशांत किशोर से आस लगाने का आधार उपलब्ध कराती है तो बिहार के दूसरे पारंपरिक दलों के लिए चिंता का सबब भी बनती है। इसी चिंता से बिहार के पारंपरिक दल चिंतित हैं। राजनीतिक दल उस दल के उभार से ज्यादा चिंतित होते हैं, जिनसे उनके पारंपरिक आधार वोट बैंक के छीजने का खतरा ज्यादा होता है। लेकिन प्रशांत किशोर हर वर्ग के उन युवाओं के प्रेरणा केंद्र बनते दिख रहे हैं, जिनके लिए बिहार का बदलाव प्राथमिक लक्ष्य है। जिन्हें यह बदलाव जाति और धर्म की बजाय मेरिट पर होने की उम्मीद है। लेकिन क्या प्रशांत किशोर इस जाति-धर्म की राजनीति से सचमुच दूर हैं? बिहार की राजनीति पिछली सदी के नब्बे के दशक से कमंडल और मंडल खेमे के बीच झूलती रही है। जाति और धर्म की अनदेखी करने का दावा करने वाले प्रशांत किशोर इससे आगे दलितवाद की ओर आगे बढ़ते दिख रहे हैं।

तमाम दुष्प्रचार के बावजूद दलितों की पसंदीदा पार्टी कैसे बन गयी भाजपा?

संपादकीय

कांग्रेस की ओर से भाजपा पर अक्सर आरक्षण को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया जाता है। इसी आरोप की वजह से लोकसभा चुनावों में भाजपा को बड़ा नुकसान भी हुआ और वह अपने बलबूते स्पष्ट बहुमत हासिल करने से चूक गयी। लेकिन उसके बाद मोदी सरकार ने सबक लिया और एक भी ऐसा अवसर नहीं आने दिया जब दलितों के मन में अपने आरक्षण को लेकर कोई शंका हो पैदा हो। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों की वजह से एससी और एसटी वर्ग के मन में आशंकाएं पनपीं तो मोदी सरकार ने साफ कर दिया कि एससी और एसटी वर्ग के आरक्षण पर कोई आंच नहीं आने दी जायेगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से उपजे विवाद के बीच केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्पष्ट कर दिया कि डॉ. भीम राव आंबेडकर के बनाये संविधान में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण में 'मलाईदार तबके' के लिए कोई प्रावधान नहीं है। देखा जाये तो मोदी सरकार का यह स्पष्टीकरण आरक्षण के मुद्दे को लेकर समाज में भ्रम फैलाने वालों पर करारी चोट कर गया। इसके अलावा, इसी साल अगस्त में एक और अवसर आया जब दलितों के मन में आशंकाएं पनपाने का काम किया गया। दरअसल केंद्रीय सेवाओं में लेटरल एंट्री के मुद्दे को उठाते हुए विपक्ष ने कहा कि यह दलितों और पिछड़ों को आरक्षण से वंचित करने की साजिश है। विपक्ष के इस हमले पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने लेटरल भर्ती विज्ञापन को रद्द करने के निर्देश दिये। केंद्र सरकार ने स्पष्ट कहा कि सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, इस कदम की समीक्षा और इसमें सुधार किया जायेगा। सरकार ने साथ ही देश को यह भी बताया कि लेटरल एंट्री के जरिये नियुक्तियों की शुरुआत कांग्रेस ने ही की थी। यह विषय भी दलितों और पिछड़ों को आश्वस्त कर गया कि मोदी के रहते आरक्षण को कोई खतरा नहीं है। इसके अलावा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरक्षण के मुद्दे पर ऐसा बयान दे दिया जिससे कि भाजपा को कांग्रेस पर हमला करने का बड़ा मौका मिल गया। दरअसल विदेश दौरे के दौरान राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में आरक्षण खत्म करने की बात कह दी। उनका यह बयान देखते ही देखते वायरल हो गया। कांग्रेस और राहुल गांधी तमाम सफाई और स्पष्टीकरण देते रहे लेकिन यह मुद्दा तूल पकड़ चुका था। राहुल गांधी के इस बयान को इस तरह से पेश किया गया जैसे कांग्रेस तत्काल आरक्षण खत्म करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके बाद अपनी हर सभाओं में कहना शुरू कर दिया कि कांग्रेस कान खोलकर सुन ले... जब तक मोदी है, तब तक बाबा साहेब अंबेडकर के दिए आरक्षण में से रती भर भी लूट करने नहीं दूंगा।

ड्रग्स तस्कर ने खुद को मारी गोली

मंदसौर में पिस्टल लेकर थाने पहुंचा था; 1814 करोड़ की ड्रग्स मामले में था फरार

विश्वास का तीर

भोपाल में एक फैक्ट्री में पकड़ी गई 1814 करोड़ की ड्रग्स के मामले में आरोपी प्रेमसुख पाटीदार ने थाने में खुद को गोली मार ली। वह बुरी तरह से घायल हो गया। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना मंदसौर के अफजलपुर थाने की है। प्रेमसुख पाटीदार शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे अवैध पिस्टल लेकर थाने पहुंचा। यहां पुलिस के सामने खुद के पैर में गोली मार ली। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पिस्टल जब्त कर ली। फिर अस्पताल पहुंचाया।

आरोपी हरीश आंजना ने लिया था प्रेमसुख का नाम

बता दें कि भोपाल के बगरौदा इंडस्ट्रियल एरिया में ड्रग्स फैक्ट्री मामले में पुलिस पहले मंदसौर के माल्या खेरखेड़ा निवासी हरीश आंजना को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस पूछताछ में आरोपी हरीश आंजना ने बताया था कि उसने हथुनिया निवासी प्रेमसुख पाटीदार से भी एमडी ड्रग की खरीद-फरोख्त की थी। इसके बाद से ही पुलिस की कई टीमें प्रेमसुख पाटीदार की तलाश में छापामारी कर रही थीं। मंदसौर एसपी अभिषेक आनंद ने बताया कि पुलिस ने प्रेमसुख नाम के आरोपी को पकड़ा है। वह एनसीबी और अन्य एजेंसियों के केस में वांटेड था। मंदसौर पुलिस इसकी तलाश कर रही थी।

बेटा मामला गरम हो गया, पुलिस का धौंस मत दिखाना

विश्वास का तीर

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के छोटे भाई लक्ष्मण सिंह के बेटे का पुलिस को धमकाते हुए एक वीडियो सामने आया है। राघौगढ़ में अभिमन्यु अभियान का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान यह घटना हुई। उनके बेटे ने स्ठ्ठक्क ञ्जढ्ढ को धमकाया और कार्यक्रम बंद करने के लिए कहा। पुलिस ने पूर्व सांसद के बेटे और उनके ड्राइवर पर स्नढ्ढक्र दर्ज की है। मिली जानकारी के अनुसार इन दिनों पुलिस द्वारा महिलाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए मैं हूं अभिमन्यु अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत सार्वजनिक स्थानों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, स्कूल, कॉलेजों में जाकर नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। इसी के तहत शुक्रवार को राघौगढ़ पुलिस द्वारा कस्बे में अभिमन्यु कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा था। इसी दौरान पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह के बेटे आदित्य विक्रम सिंह मौके पर आए और कार्यक्रम बंद करने के लिए कहने लगे। ञ्जढ्ढ जुबेर खान ने जब उन्हें बताया कि यह तो अभिमन्यु कार्यक्रम चल रहा है, तो आदित्य विक्रम सिंह कहने लगे कि कोई कार्यक्रम नहीं होगा। कार्यक्रम बंद कर जाइए

यहां से। वे वहां मौजूद कॉलेज के स्टूडेंट्स से भी बोले कि यहां से जाओ, हो गया कार्यक्रम। इस पूरे मामले का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें आदित्य विक्रम सिंह हाथ में सिगरेट लिए हुए दिख रहे हैं। उनके साथ उनका ड्राइवर भी है। वह स्ठ्ठक्क दीपा डुडवे और राघौगढ़ थाना प्रभारी जुबेर खान से बहस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। यही नहीं, उन्होंने थाना प्रभारी के साथ धक्का-मुक्की भी की। इसके अलावा जेपी कॉलेज के रजिस्ट्रार के ऊपर उन्होंने सिगरेट की ऐश भी फेंकी। राघौगढ़ थाने में उनके खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज की गई है। TI जुबेर खान द्वारा दर्ज कराई गई स्नढ्ढक्र के अनुसार आज दिनांक11/10/2024 को मैं हूं अभिमन्यु अभियान के तहत स्टाफ के साथ कस्बा राघौगढ केनरा बैंक तिराहे पर जेपी कॉलेज के करीब 25 छात्र-छात्राओं एवं मैनेजमेंट स्टाफ के रजिस्ट्रार संजय मिश्रा, कामेन्द्र मिश्रा के साथ महिलाओं की सुरक्षा एवं महिलाओं के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से नुक्कड कार्यक्रम का आयोजन करवाया जा रहा था। इसी दौरान पूर्व सांसद एवं पूर्व चांचौड़ा विधायक लक्ष्मण सिंह के पुत्र आदित्य विक्रम सिंह द्वारा शासकीय कार्य में ड्यूटी पर तैनात स्ढ्ढ रवि भिलाला से कार्यक्रम करने के विरोध में बहस की जाने लगी। मेरे द्वारा पास जाकर आदित्य विक्रम सिंह को बताया गया कि कॉलेज के छात्र-छात्राएं जन जागरूकता एवं महिला सुरक्षा के उद्देश्य से शासन द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत कार्यक्रम कर रहे हैं, तो आदित्य विक्रम सिंह द्वारा अपने रुबाव में चूर होकर कहा गया कि कोई कार्यक्रम नहीं होगा। सभी को हटाओ। कार्यक्रम के बीच में आकर सभी बालक-बालिकाओं को नुक्कड़ सभा बंद करने के लिए कहा जाने लगा, जिनको मुझ थाना प्रभारी द्वारा समझाया गया तो मुझे धक्का दिया गया।

सतना में पुलिसकर्मी को बोलेरो ने कुचला

नए फ्लाई ओवर पर सामने से टकराई दो बाइक, प्रधान आरक्षक समेत 3 घायल

विश्वास का तीर

सतना शहर के नए फ्लाई ओवर पर गुरुवार रात हुए सड़क हादसे में पुलिस के प्रधान आरक्षक समेत 3 लोग घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मी को रीवा रेफर कर दिया गया है जबकि दो अन्य घायल युवकों को भी उनके परिजन रीवा ले गए। हादसा रात साढ़े 12 बजे शहर के कोलगवां थाना अंतर्गत नए बने फ्लाई ओवर पर हुई। दो बाइकों की टक्कर के बाद सड़क पर गिर पड़े प्रधान आरक्षक संतोष कुशवाहा को एक तेज रफ्तार बोलेरो ने कुचल दिया। जिससे वो गंभीर घायल हो गई। वहीं अन्य घायलों में सिद्धार्थ सिंह (19) और उसका एक साथी भी शामिल हैं। दोनों देर रात गरबा खेल कर आ रहे थे। बता दें, प्रधान आरक्षक संतोष कुशवाहा सुपर 30 में तैनात हैं। वह रात में ड्यूटी के लिए जा रहे थे। एक्सीडेंट की सूचना मिलते कोलगवां पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। सीएसपी महेंद्र सिंह, टीआई कोलगवां सुदीप सोनी तथा टीआई कोतवाली शंखधर द्विवेदी समेत तमाम पुलिस कर्मी भी अस्पताल पहुंच गए। प्रधान आरक्षक की गंभीर हालत के मद्देनजर डॉक्टरों ने देर रात उसे रीवा रेफर कर दिया। वहीं सूचना के बाद घायल युवकों के परिजन भी अस्पताल आए। परिजन दोनों घायलों को भी रीवा ले गए।

9 साल की बच्ची को कुएं में फेंका, पत्थर मारा

विश्वास का तीर

खजुराहो में एक व्यक्ति ने 9 साल की बच्ची को कुएं में फेंक दिया। इसके बाद ऊपर से पत्थर भी फेंके। वह अपने बड़े भाई के साथ मंदिर जा रही थी। हमलावर ने भाई पर भी पत्थर फेंके। जैसे-तैसे वह जान बचाकर भागा लेकिन बच्ची की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हमलावर को बच्ची ने पहले किसी बात को लेकर चिढ़ाया था जिससे वह नाराज था। वारदात गुरुवार रात करीब 10 बजे राजनगर थाना क्षेत्र के देवकुलिया गांव की है। रात करीब 1 बजे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्ची का शव कुएं से निकलवाया। शुक्रवार सुबह शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मृतक बच्ची का नाम मोहिनी श्रीवास (9) पिता मनोज श्रीवास है। वह चौथी क्लास में पढ़ती थी। अपने दादा-दादी और चाचा के साथ ग्राम देवकुलिया में रहती थी। बच्ची के परिजन दिल्ली में मजदूरी करते हैं। आरोपी गोवर्धन पटेल इसी गांव का रहने वाला है।

आरोपी बोला- बच्ची के भाई को भी मार डालता

पूछताछ में आरोपी गोवर्धन पटेल ने जुर्म स्वीकार किया है। उसके पास से बच्ची की पायल

भी जब्त की गई है। पूछताछ में उसने बताया कि बच्ची उसे काफी दिनों से चिढ़ाती थी। इसी बात से नाराज था। अगर बच्ची का भाई नहीं भागता, तो उसे भी मार डालता। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया।

मां बोली- पूजा करने गई थी बेटी

मोहिनी की मां माया ने बताया कि बेटी पूजा करने के लिए मंदिर गई थी, तभी गांव के ही गोवर्धन ने उसे कुएं में धक्का दे दिया। ऊपर से तब तक पत्थर फेंके, जब तक मर नहीं गई। साथ में ननद का लड़का भी था। वह भाग गया, लेकिन बच्ची मर गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शारदीय नवरात्र की महानवमी पर मुख्यमंत्री निवास में कन्या-पूजन कर कन्या भोज की सनातन परंपरा का निर्वाह किया।

उज्जैन में महाष्टमी पर माता को मदिरा का भोग

आबकारी विभाग ने दी 31 बोतल शराब; 27 किमी तक धार लगा रहे पटवारी-कोटवार

विश्वास का तीर

उज्जैन में नवरात्रि की महाअष्टमी पर शुक्रवार को शासकीय नगर पूजा की गई। कलेक्टर नीरज सिंह ने चौबीस खम्बा माता मंदिर में महामाया और महालया माता को मदिरा का भोग लगाकर पारंपरिक पूजन किया। इसके बाद कलेक्टर की अगुवाई में एक दर्जन से अधिक पटवारी, कोटवार सहित कई अधिकारी-कर्मचारी और श्रद्धालु सड़क पर मदिरा की धार लगाते आगे बढ़े। शासकीय दल ने ढोल-बैंड बजाते हुए 27 किलोमीटर के दायरे में आने वाले 40 मंदिरों में पूजा की। नगर पूजा की यह परंपरा राजा विक्रमादित्य के समय से चली आ रही है। इसके लिए आबकारी विभाग शराब की 31 बोतल निःशुल्क राजस्व विभाग को देता है।

शुल्क पक्ष की अष्टमी को तांत्रिक स्वरूप में होती है पूजा

भूतभावन भगवान महाकालेश्वर की पावन नगरी उज्जैन में शासन की ओर से आश्विन मास के शुल्क पक्ष की अष्टमी को यह पूजा तांत्रिक स्वरूप में होती आ रही है। इस दौरान नगर के 40 देवी, भैरव और हनुमान मंदिरों में पूजन होता है। ढोल-नगाड़ों के साथ माता की महा आरती के बाद माता को सोलह श्रृंगार की सामग्री, चुनरी और बड़बाकल का भोग लगाया जाता है। इसी दिन दोपहर 12 बजे हरसिद्धि मंदिर के गर्भगृह में भी माता को श्रृंगार सामग्री अर्पित कर शासकीय पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि मां को मदिरा का भोग लगाने से शहर में सुख-समृद्धि आती है।

हांडी फोड़ भैरव मंदिर पर खत्म होती है यात्रा

उज्जैन शहर में बूंद-बूंद कर 27 किमी तक शराब की धार लगाने की परंपरा के लिए करीब हफ्तेभर पहले एसडीएम दफ्तर से आबकारी विभाग को पत्र जारी किया जाता है। यह पत्र पटवारी द्वारा रेलवे स्टेशन स्थित आबकारी विभाग के कार्यालय पहुंचाया जाता है। यहां भंडार से आबकारी विभाग पूजन के लिए मुफ्त 31 बोतल देता है। शराब और बलबाकल का भोग लगाने और नगर पूजा की जवाबदारी पटवारी, कोटवार और एक वसूली पटेल के हाथों में होती है। राजस्व विभाग

के सहयोग से होने वाली पूजा का कुल खर्च 18000 हजार रुपए आता है। अंकपात स्थित हांडी फोड़ भैरव मंदिर पर नगर पूजा का समापन होता है। करीब 20 साल पहले वसूली पटेल को यहीं से 18-20 बोतल शराब पूजन के लिए दी जाती थीं। पटवारी इन्हें 2 दिन पहले ही मंदिर में पहुंचा देते थे।

काले चने-गेहूं को उबालकर बनाते हैं बलबाकल का भोग

पिछले 24 साल से नगर पूजा की व्यवस्था देखने वाले पटवारी भगवान सिंह यादव बताते हैं कि पूजन के लिए करीब 45 तरह का सामान दो दिन पहले लेकर रख लिया जाता है। एक दिन पहले चौबीस खंबा माता मंदिर के पास काले चने और गेहूं को उबालकर करीब 35 किलो बलबाकल तैयार करते हैं। इसके साथ ही माता को भोग के लिए पूरी-भजिया भी बनाए जाते हैं। अष्टमी के दिन सुबह 6 बजे पूरा सामान तैयार करके रख लिया जाता है।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने कैबिनेट मीटिंग छोड़ी

सीएम शिंदे से कहासुनी की खबर, अजित की सफाई- परमिशन लेकर बाहर आया था

विश्वास का तीर

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार सिर्फ 10 मिनट के भीतर ही कैबिनेट मीटिंग छोड़कर चले गए। मीटिंग 10 अक्टूबर को हुई थी। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, पवार के बैठक से चले जाने के बाद 38 फैसले लिए गए। यह भी दावा किया जा रहा है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा चुनाव को लेकर कुछ सुझाव रखे, जिनसे अजित सहमत नहीं थे। इसे लेकर दोनों में नोक-झोंक हुई और फिर अजित मीटिंग छोड़कर चले गए। सूत्रों के मुताबिक, शरद पवार ने बारामती से जुड़े कुछ प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेजे थे। उन्होंने इनको मीटिंग में रखा। इसी बात से अजित नाराज हो गए और मंजूरी देने से इनकार कर दिया। अजित बारामती सीट से ही विधायक हैं। उनके पास वित्त मंत्रालय का जिम्मा है। वे पहले भी कैबिनेट के प्रस्तावों पर आपत्ति जता चुके हैं। अजित बोले- मुझे लातूर के लिए फ्लाइट पकड़नी थी अजित पवार ने इस मामले में कहा कि मैं सीएम शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से परमिशन लेकर मीटिंग से गया था। मेरी लातूर में मीटिंग थी। मुझे फ्लाइट पकड़नी थी, इसलिए मैं मीटिंग छोड़कर चला गया। हालांकि, उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ अपने मतभेदों पर कोई जवाब नहीं दिया। वहीं, NCP सांसद सुनील तटकरे ने कहा कि महायुति में कोई मतभेद नहीं है। कैबिनेट बैठक से जल्दी चले जाने को इससे जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। घटना ऐसे समय में हुई है, जब लोकसभा चुनाव में हार के बाद अजित पवार की NCP के महायुति गठबंधन (भाजपा, शिवसेना, NCP) से अलग होने पर चर्चा हो रही है। क्रस्र के कई पदाधिकारी भी लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन को इस गठजोड़ का नतीजा मान रहे हैं। हाल ही में उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने भी कहा था कि NCP के वोट ट्रांसफर न होने से आम चुनाव में खराब प्रदर्शन रहा। चुनाव में महायुति गठबंधन 48 लोकसभा सीटों में से सिर्फ 17 सीटें ही जीत पाया। इनमें भाजपा को 9, शिवसेना को 7 और अजित पवार की NCP को सिर्फ 1 सीट मिली थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा था- हृष्टक्क को महायुति छोड़ देना चाहिए करीब एक महीने पहले 31 अगस्त को महाराष्ट्र भाजपा प्रवक्ता गणेश हेक ने कहा था कि हृष्टक्क को महायुति गठबंधन छोड़ देना चाहिए। इसके जवाब में अजित पवार ने कहा था कि मुझे कार्यकर्ताओं की बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। हम क्क्रूमोदी, अमित शाह और फडणवीस से बात करते हैं। इससे पहले 29 अगस्त को महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री और शिवसेना नेता तानाजी सावंत ने कहा था कि मुझे कैबिनेट में अजित के बगल में बैठने से उल्टी आती है। हृष्टक्क के साथ हमारी कभी नहीं बनी। तब अजित ने कहा था- कोई मेरी आलोचना करता है तो करता रहे। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं सिर्फ काम पर ध्यान देता हूं और काम करने पर विश्वास करता हूं।

नासिक आर्टिलरी स्कूल में 2 अग्निवीरों की मौत

फायरिंग प्रैक्टिस के दौरान शेल ब्लास्ट हुआ, NCP बोली- दोनों को शहीद का दर्जा दिया जाए

विश्वास का तीर

महाराष्ट्र के नासिक में आर्टिलरी सेंटर में तोप दागने की प्रैक्टिस के दौरान 2 अग्निवीरों की जान चली गई। ये घटना गुरुवार (9 अक्टूबर) की दोपहर में हुई थी। इसकी जानकारी शुक्रवार को सामने आई। अधिकारियों के मुताबिक हादसा गुरुवार दोपहर 12 बजे के करीब देवकाली फील्ड फायरिंग रेंज में हुआ। उन्होंने बताया कि गोहिल विश्वराज सिंह (20), सैफत शित (21) और अप्पाला स्वामी (20) अपनी टीम के साथ बीपी 2 रेंज में नंबर 4 इंडियन फील्ड गन (तोप) से गोला दागने की प्रैक्टिस कर रहे थे। इसी दौरान एक गोले में ब्लास्ट हुआ। तीनों अग्निवीर दूर जाकर गिरे और उनके शरीर में मेटल के टुकड़े धंस गए। घटना में गोहिल और सैफत गंभीर रूप से जख्मी हुए और अप्पाला को भी चोट आई। तीनों को देवकाली कैंप के रू॥ अस्पताल में भर्ती कराया। रात में गोहिल और सैफत की मौत हो गई। घटना को लेकर देवळाली कैंप पुलिस थाने में आकस्मिक मृत्यु का केस दर्ज कराया गया है। अस्पताल में तीसरे अग्निवीर अप्पाला का इलाज जारी है। NCP बोली- दोनों अग्निवीरों को शहीद का दर्जा मिले NCP नेता सुप्रिया सुले ने पर लिखा- ये घटना बेहद दुखद है। इन दोनों जवानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि। रक्षा मंत्रालय को इन दोनों जवानों को शहीद का दर्जा देना चाहिए। साथ ही उनके परिवारों को मुआवजा भी दें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सपांदक आयुष राजपूत द्वारा कविता आॅफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- आपयुष राजपूत, मो.7247257823, 7999252366 (प्रति शुक्रवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2022/83636